

परिशेष-

T.M.No. 458715

अंशु मेहरा (कानपुर)
दुर्गानिब्द सिंहा
(इलाहाबाद)

"Secular Attitude scale"

Consumable Booklet
of
MSSAA
(Hindi Version)

कृपया निम्न सूचनायें दीजियेगा-

नाम	-	लिंग-
आयु	-	धर्म-
जाति	-	शैक्षिक स्तर -
ग्रामीण/ शहरी	-	आय-
व्यवसाय	-	

निर्देश

इस मापनी का उद्देश्य यह जानना है कि आम जनता बहुत से महत्वपूर्ण सामाजिक एवं व्यक्तिगत प्रश्नों के बारे में क्या सोचती है। और कैसा अनुभव करती है। आपके कथनों के सामने दिये गये पाँच विकल्पों में से किसी एक के नीचे खाने में अपनी राय सही का चिन्ह लगाकर व्यक्त करनी है। कोई भी उत्तर सही या गलत नहीं है, इसलिए प्रत्येक कथन का श्रेष्ठ उत्तर आपकी व्यक्तिगत राय है, अपनी राय को स्वतंत्र एवं निर्भीक रूप से विकल्पों के नीचे खानों में सही का चिन्ह लगाकर देवें।

प्रत्येक कथन का प्रत्युत्तर पाँच विकल्पों में से देना है।

बिल्कुल सहमत (SA)	सहमत (A)	अनिश्चय (U)	असहमत (D)	बिल्कुल असहमत (S.D)
<input type="checkbox"/>				

कृपया सभी कथनों का उत्तर देवे तथा कोई भी कथन को उत्तर दिये बिना नहीं छोड़ना है।

National Psychological Corporation

4/230, KACHERI GHAT, AGRA- 282004 (U.P.)

- 1992 All rights reserved by authors Reproduction in any form is a violation of copyright act Mehra & Sinha's Secular Attitude Scale (Hindi Version)

क्र.	कथन	बिल्कुल सहमत	सहमत	अनिश्चय	असहमत	बिल्कुल असहमत
1.	इस संसार में बहुत सी चीजें ऐसी हैं जिन्हें विज्ञान द्वाया नहीं समझा जा सकता।	<input type="checkbox"/>				
2.	आधुनिक राज्य में सभी नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता आवश्यक है।	<input type="checkbox"/>				
3.	किसी नए व्यक्ति से मिलने पर उसकी जाति के बारे में पूछ लेने में कोई बुकसान नहीं है।	<input type="checkbox"/>				
4.	धार्मिक शिक्षण को स्कूलों में आनावश्यक बनाकर समाज के नैतिक स्तर को ऊपर उठाया जा सकता है।	<input type="checkbox"/>				
5.	धर्म केवल एक व्यक्ति विश्वास की बात है।	<input type="checkbox"/>				
6.	एक बुद्धिमान व्यक्ति कभी अपने धार्मिक ग्रन्थों के बारे में प्रश्न नहीं उठाएगा।	<input type="checkbox"/>				
7.	विवाह धार्मिक नियमों के अनुसार होने चाहिए।	<input type="checkbox"/>				
8.	जाति-व्यवस्था को जिव्दा रखना आवश्यक है क्योंकि इसमें धर्म की सहमति है।	<input type="checkbox"/>				
9.	अनुचूचित जातियों को विशेष सुविधाएँ देकर हम समानता के सिद्धान्तों के विरुद्ध जा रहे हैं।	<input type="checkbox"/>				
10.	एक बेहतर समाज के विकास में धर्म का महत्वहीन योगदान है।	<input type="checkbox"/>				
11.	राज्य के मामलों में धर्म का इस्तेमाल हानिकारक है।	<input type="checkbox"/>				
12.	मनुष्य का भाष्य निश्चित करता है कि समाज में उसका क्या स्थान होगा।	<input type="checkbox"/>				
13.	राज्य के राजनैतिक एवं प्रशासनिक कार्यों में धर्म लाभप्रद योगदान दे सकता है।	<input type="checkbox"/>				
14.	एक व्यक्ति की जाति उसके अहम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती है।	<input type="checkbox"/>				
15.	ये कहना कि एक धर्म दूसरे धर्म से बड़ा है, आधुनिक समय में बेकार है।	<input type="checkbox"/>				
16.	सम्पत्ति और उत्तराधिकार के मामलों से निटपने के लिए 'समान संहिता' सभी नागरिकों के लिए होना चाहिए।	<input type="checkbox"/>				
17.	किसी नए व्यक्ति से मिलने पर मुझे उसका धर्म जानने की जिज्ञासा होती है।	<input type="checkbox"/>				
18.	अपने धर्म का प्रचार समाज में तनाव पैदा करता है।	<input type="checkbox"/>				

क्र.	कथन	बिल्कुल सहमत	सहमत	अनिश्चय	असहमत	बिल्कुल असहमत
19.	मनुष्य के वर्तमान कष्टों का कारण उसके पूर्व जन्म में किए गए कार्य है।	<input type="checkbox"/>				
20.	बेहतर होगा यदि एक समान सिविल संहिता विवाह संबंधी मामलों का संचालन करें।	<input type="checkbox"/>				
21.	प्राकृतिक क्रियाओं के कारण मनुष्यों में असमानता है।	<input type="checkbox"/>				
22.	व्यक्ति का धर्म उसके अहम् का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है।	<input type="checkbox"/>				
23.	धर्म संसार की लगभग सभी चीजों को समझा सकता है।	<input type="checkbox"/>				
24.	विभिन्न विचारधाराओं के प्रति खूला रवैया रखकर मनुष्य ज्यादा सीख सकता है।	<input type="checkbox"/>				
25.	धर्म हमें ऐसी चीजे सिखाता है जो अब महत्वहीन है।	<input type="checkbox"/>				
26.	भारत को एक धार्मिक राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए।	<input type="checkbox"/>				
27.	एक व्यक्ति के रूप में पहले मेरी निष्ठा मेरे सम्प्रदाय के प्रति और उसके बाद मेरे राष्ट्र के लिए है।	<input type="checkbox"/>				
28.	क्या सही है क्या गलत, इसके लिए आवश्यक नहीं है कि व्यक्ति किसी धार्मिक प्रभुत्व पर निर्भर हो।	<input type="checkbox"/>				
29.	अपनी जीवन शैली को सुरक्षित रखकर अल्पसंख्यक अपनी पहचान बनाए रख सकते हैं।	<input type="checkbox"/>				
30.	स्कूलों में धार्मिक शिक्षा देना आवश्यक नहीं है।	<input type="checkbox"/>				
31.	धार्मिक ग्रन्थ ईश्वर की वाणी होते हैं अतः उन्हें बदला नहीं जा सकता।	<input type="checkbox"/>				
32.	मनुष्य की तक्रशक्ति न कि उसका धर्म उसे ये निर्णय लेने में मदद करते हैं कि क्या अच्छा है और क्या बुरा।	<input type="checkbox"/>				
33.	धार्मिक संस्थानों पर प्रतिबंध लगाना जन-शक्ति के लिए आवश्यक है।	<input type="checkbox"/>				
34.	धार्मिक विश्वास मनुष्य की सोचने की शक्ति को पंगु बना देता है।	<input type="checkbox"/>				
35.	छन्द के समय धार्मिक लक्ष्य, राष्ट्रीय लक्ष्यों की तुलना में प्रधान होते हैं।	<input type="checkbox"/>				